102/1 304(MR)

2017

सामान्य हिन्दी

प्रथम प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 50

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. क) वासुदेवशरण अग्रवाल की रचना है

   i) 'अन्तराल'

   ii) 'त्रिशंकु'

   iii) 'तट की खोज'

   iv) 'वाग्धारा' । 1

171458 [Turn over

Scanned with CamScanner

ख) संस्मरण-विधा की रचना है

i) 'दीप जले शंख बजे'

ii) 'बाजे पायलिया के घुंघरू'

iii) 'अरे यायावर रहेगा याद'

iv) 'तब की बात और थी'। 1

ग) आलोचनात्मक कृति 'कालिदास की लालित्य-योजना' के लेखक हैं

i) हरिशंकर परसाई

ii) मोहन राकेश

iii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

iv) महावीरप्रसाद द्विवेदी । 1

Scanned with CamScanner

घ) 'वारिस' कहानी-संग्रह है

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' का

ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी का

iii) मोहन राकेश का

iv) 'अज्ञेय' का । 1

ङ) हरिशंकर परसाई की रचना है

i) 'कल्पवृक्ष'

ii) 'धरती के फूल'

iii) 'तब की बात और थी'

iv) 'मेरे विचार' । 1

2. क) रामधारी सिंह 'दिनकर' की रचना है

i) 'परशुराम की प्रतीक्षा'

ii) 'ऐसा कोई घर आपने देखा है'

iii) 'पृथ्वीपुत्र'

iv) 'स्वर्ण किरण'। 1

ख) सुमित्रानन्दन पन्त को 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार मिला था

i) 'लोकायतन' पर

ii) 'चिदम्बरा' पर

iii) 'कला और बूढ़ा चाँद' पर

iv) 'पल्लव' पर। 1

ग) 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन-वर्ष है

i) सन् 1951

ii) सन् 1959

iii) सन् 1978

iv) सन् 1987. 1

घ) 'वैदेही-वनवास' के रचयिता हैं

i) मैथिलीशरण गुप्त

ii) महादेवी वर्मा

iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

iv) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' । 1

ङ) 'कामायनी' में सर्गों की संख्या है

i) बारह

ii) चौदह

iii) पन्द्रह

iv) सत्रह । 1

Scanned with CamScanner

3. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2 + 5 = 7

i) आज जिसे हम बहुमूल्य संस्कृति मान रहे हैं, वह क्या ऐसी ही बनी रहेगी ? सम्राटों-सामंतों ने जिस आचारनिष्ठा को इतना मोहक और मादक रूप दिया था, वह लुप्त हो गई; धर्माचार्यों ने जिस ज्ञान और वैराग्य को इतना महार्घ समझा था, वह लुप्त हो गया; मध्ययुग के मुसलमान रईसों के अनुकरण पर जो रस-राशि उमड़ी थी, वह वाष्प की भाँति उड़ गयी, क्या यह मध्ययुग के कंकाल में लिखा हुआ व्यावसायिक-युग का कमल ऐसा ही बना रहेगा ? महाकाल के प्रत्येक पदाघात में धरती धसकेगी । उसके कुंठनृत्य की प्रत्येक चारिका कुछ-न-कुछ लपेटकर ले जायगी । सब बदलेगा, सब विकृत होगा — सब नवीन बनेगा ।

Scanned with CamScanner

ii) निन्दा का उद्‌गम ही हीनता और कमजोरी से होता है । मनुष्य अपनी हीनता से दबता है । वह दूसरों की निन्दा करके ऐसा अनुभव करता है कि वे सब निकृष्ट हैं और वह उनसे अच्छा है । उसके अहं की इससे तुष्टि होती है । बड़ी लकीर को कुछ मिटाकर छोटी लकीर बड़ी बनती है । ज्यों-ज्यों कर्म क्षीण होता जाता है, त्यों-त्यों निन्दा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है । कठिन कर्म ही ईर्ष्या-द्वेष और इनसे उत्पन्न निन्दा को मारता है । इन्द्र बड़ा ईर्ष्यालु माना जाता है, क्योंकि वह निठल्ला है । स्वर्ग में देवताओं को बिना उगाया अन्न, बे-बनाया महल और बिन-बोये फल मिलते हैं । अकर्मण्यता में उन्हें अप्रतिष्ठित होने का भय बना रहता है, इसलिए कर्मी मनुष्यों से उन्हें ईर्ष्या होती है ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 2 = 3

i) 'ज्ञान और कर्म दोनों के पारस्परिक प्रकाश की संज्ञा संस्कृति है ।'

ii) "भाषा 'म्यूजियम' की वस्तु नहीं है, उसकी स्वतःसिद्ध एक सहज गति है ।"

iii) 'हम भारतवासी गीता को कण्ठ में रखकर धनी हुए और तुम उसे जीवन में लेकर कृतार्थ हुई ।'

4. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2 + 5 = 7

i) बनो संसृति के मूल रहस्य
तुम्हीं से फैलेगी वह बेल;
विश्व भर सौरभ से भर जाय
सुमन के खेलो सुन्दर खेल ।
और यह क्या तुम सुनते नहीं
विधाता का मंगल वरदान —
'शक्तिशाली हो, विजयी बनो'
विश्व में गूंज रहा जय गान ।

ii) मैं प्रस्तुत हूँ चाहे मेरी मिट्टी जनपद की धूल
बने –

फिर उस धूली का कण-कण भी मेरा गति-
रोधक शूल बने !

अपने जीवन का रस देकर जिसको यत्नों
से पाला है –

क्या वह केवल अवसाद-मलिन झरते आँसू
की माला है ?

वे रोगी होंगे प्रेम जिन्हें अनुभव-रस का कटु
प्याला है –

वे मुर्दे होंगे प्रेम जिन्हें सम्मोहनकारी हाला है

मैंने विदग्ध हो जान लिया, अन्तिम रहस्य
पहचान लिया –

मैंने आहुति बनकर देखा यह प्रेम यज्ञ की
ज्वाला है !

(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 1 + 2 = 3

i) 'दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है ।'

ii) 'हार भी तेरी बनेगी मानिनी जय की पताका ।'

iii) 'श्रेय मानव को असीमित मानवों से प्रीत ।'

5. निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए :

2 + 2 = 4

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी 1919

iii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : 2 + 2 = 4

i) मैथिलीशरण गुप्त

ii) सुमित्रानन्दन पन्त

iii) महादेवी वर्मा ।

क) 'पंचलाइट' अथवा 'वहादुर' कहानी का सारांश लिखिए । 4

अथवा

'ध्रुवयात्रा' अथवा 'लाटी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

ख) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए : 4

i) 'कुहासा और किरण' नाटक के आधार पर 'कृष्णचेतन्य' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक के तीसरे अंक का कथासार अपने शब्दों में लिखिए ।

Scanned with CamScanner

ii) 'आन का मान' नाटक के आधार पर 'औरंगजेब' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'आन का मान' नाटक के दूसरे अंक की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

iii) 'सूतपुत्र' नाटक के आधार पर 'अर्जुन' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'सूतपुत्र' नाटक की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

iv) 'राजमुकट' नाटक के आधार पर 'प्रज्ञावती' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'राजमुकुट' नाटक के तीसरे अंक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

Scanned with CamScanner

v) 'गरुडध्वज' नाटक के आधार पर 'कालिदास' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'गरुडध्वज' नाटक के पहले अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

Scanned with CamScanner

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग
कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए ।

iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गांधी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए ।

iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

Scanned with CamScanner

v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुर्योधन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

vi) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथा का सारांश लिखिए ।

Scanned with CamScanner